भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 150

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में धार्मिक पर्यटन का विकास

150. श्री हनुमान बेनीवाल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा धार्मिक क्षेत्रों को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु वर्तमान योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 2023 में राजस्थान में धार्मिक स्थलों के लिए योजना-वार आवंटित राशि का ब्यौरा क्या है तथा किए गए कार्यों का नाम क्या हैं;

(ग) क्या सरकार का राजस्थान के नागौर के खरनाल गाँव में लोक देवता तेजाजी की जन्मस्थली खरनाल, जो बीकानेर जिले के मुकाम में बिश्नोई समुदाय की आस्था का केंद्र है, के विकास के लिए विशेष बजट आवंटित करने का विचार है; और

(घ) यदि हाँ, तो इसके लिए समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)', 'स्वदेश दर्शन' और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना' नामक अपनी वर्तमान में चल रही योजनाओं के माध्यम से, देश में पर्यटन से संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को संपूरित करता है।

प्रशाद योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय का उद्देश्य तीर्थस्थल और विरासत स्थलों पर समग्र रूप से पर्यटन अवसंरचना का विकास करके आध्यात्मिक और तीर्थस्थल संबंधी अनुभव को बेहतर बनाना है। अब तक, मंत्रालय ने 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी अनुमानित लागत 1726.74 करोड़ रु. है।

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने आध्यात्मिक परिपथ, बौद्ध परिपथ, कृष्ण परिपथ, तीर्थंकर और अन्य परिपथों जैसे विषयगत परिपथों सहित विभिन्न विषयगत परिपथों के तहत 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0' के नाम से नया रूप दिया गया है। योजना की शुरुआत के बाद से, मंत्रालय द्वारा धार्मिक स्थलों पर परियोजनाओं सहित 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक एक उप-योजना के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस उप-योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न श्रेणियों जैसे आध्यात्मिक पर्यटन, संस्कृति और विरासत आदि के तहत 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के लिए जारी दिशानिर्देशों के तहत धार्मिक स्थलों पर परियोजनाओं सहित 23 राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भी सहायता प्रदान करता है, जिसमें धार्मिक महत्व के स्थलों पर अवसंरचना का विकास भी शामिल है।

अप्रैल 2023 से राजस्थान में धार्मिक स्थानों पर पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग) और (घ): राजस्थान के नागौर में खरनाल गांव में लोक देवता तेजाजी की जन्मस्थली खरनाल के आसपास पर्यटक अवसंरचना के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्दिष्ट दिशानिर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति और धन की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****

अनुबंध

श्री हनुमान बेनीवाल द्वारा राजस्थान में धार्मिक पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 01.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 150 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान में एसडी 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परियोजना का नाम/ स्वीकृति तिथि**	**परियोजना के घटक**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**प्राधिकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन (मार्च 2024)	i. पार्किंग और प्रवेश प्लाजा ii. ऑनलाइन टिकटिंग के लिए वेबसाइट का विकास iii. व्याख्यान केंद्र और टिकटिंग क्षेत्र iv. घाट का विकास और आरती के लिए प्लेटफार्म v. संकेतक और वे फाइडिंग vi. शौचालय और स्नान क्षेत्र vii. भोजनालय और पर्यटक सुविधाएं viii. मंदिर का जीर्णोद्धार और बेस्टियन वॉल का जीर्णोद्धार ix. मंदिर के अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था एवं संबद्ध अवसंरचना x. बोट और जेट्टी	21.65	2.17
2.	श्री खाटू श्याम जी मंदिर (सीकर) में विकास कार्य	i. व्याख्यान केंद्र (डिजिटल संग्रहालय/प्रदर्शन) ii. कथा पंडाल iii. ओएटी और प्रकाश एवं ध्वनि शो iv. मेला ग्राउंड का विकास v. प्रतीक्षालय vi. स्थल के आंतरिक मार्ग और चारदीवारी का विकास vii. आश्रय क्षेत्र (8) viii. भोजनालय ix. पार्किंग (दोनों ओर)	87.87	8.79

		x. फूड कोर्ट xi. शौचालय ब्लॉक (5) xii. पार्किंग उपलब्धता के डिस्प्ले के लिए डिजिटल साइनेज बोर्ड xiii. पेयजल स्टेशन (4) xiv. संकेतक बोर्ड (40) xv. कूड़ेदान (25) xvi. बेंच (20) xvii. सीसीटीवी (4 स्थानों के लिए कंप्यूटर सिस्टम और सहायक उपकरण) (100) xviii. विद्युत कार्य (हाई मास्ट लाइट: 5, स्ट्रीट सोलर लाइट:40) xix. मुख्य प्रवेश द्वार (3 स्थानों पर)		
3.	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य	i. दुकानें और कियोस्क (50) ii. मेला मैदान का विकास iii. आवृत मंदिर मार्ग (लगभग 500 मीटर लंबी) iv. पर्यटक सुविधा केंद्र (व्याख्यान केंद्र, बहुउद्देशीय हॉल, कैफेटेरिया, लॉकर रूम और शू रैक (01), शामिल हैं) v. पार्किंग का विकास vi. पेयजल स्टेशन (04) vii. बेंच (30) viii. कूड़ेदान (20) ix. संकेतक (20) x. शौचालय ब्लॉक(2) xi. यात्री शेड (4) xii. पाथवे का विकास (उत्तरी प्रवेश) xiii. ओपन एयर थियेटर (ओएटी) xiv. पहुँच मार्ग (अंडरपास- करणी माता) xv. आंतरिक विद्युत कार्य xvi. बाहरी विद्युत कार्य	22.57	2.26

		xvii. सीसीटीवी xviii. डिस्प्ले स्क्रीन (3 एलईडी)		
4.	मालासेरी डूंगरी, जिला भीलवाड़ा का विकास	i. प्रवेशद्वार (5) ii. पार्किंग (स्पीड बम्प और रेट्रो-रिफ्लेक्टिव दिशा संकेतकों के साथ 12000 वर्ग मीटर कोबल स्टोन और सीसी फुटपाथ पार्किंग) iii. लैंडस्केपिंग (लगभग 5 हेक्टेयर वृक्षारोपण, नीम कॉरिडोर जैसे कम रखरखाव वाले वृक्ष आदि जिनकी महत्ता भगवान देवनारायण से जुड़ी हुई है + मोटिफ + कोबल पाथवे) iv. भोजनशाला (एक समय में 500 लोगों की व्यवस्था) v. शौचालय ब्लॉक (6) vi. सवामनी के लिए रसोई (1) (प्रसाद तैयार करने के लिए 10) vii. सभास्थल मैदान (चारदीवारी, प्रवेश-निकास द्वार) viii. सभास्थल मंच ix. स्वास्थ्य सेवा (मंदिर परिसर में 200 वर्गमीटर छोटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) x. बहुउद्देशीय भवन (ध्यान कक्ष / कथा पंडाल / सम्मेलन कक्ष / व्याख्या केंद्र) xi. प्रतीक्षालय (1) (500 लोगों के लिए दो मंजिल की इमारत) xii. ओपेन एयर थिएटर xiii. आंतरिक बीटी रोड और मंदिर कनेक्टिविटी रोड (आंतरिक परिसर में कनेक्टिविटी के लिए पाथवे के साथ-साथ कर्ब	48.73	4.87

		स्टोन सहित 12 मीटर चौड़ा बीटी रोड टॉप) xiv. चारदीवारी (3.9 किमी) (3900 मीटर लंबी 2.1 मीटर ऊंची खंडा स्टोन-एशलर चिनाई के साथ पत्थर की चारदीवारी) xv. वॉटर कूलर (10) xvi. बेंच (75 पत्थर की बेंच) xvii. संकेतक (23 दिशात्मक और 31 सूचनात्मक संकेतक) xviii. कूड़ेदान (85 स्टेनलेस स्टील के कूड़ेदान) xix. आंतरिक विद्युत संबंधी xx. बाहरी विद्युत संबंधी xxi. सीसीटीवी निगरानी और नेटवर्किंग		
	कुल		**180.82**	**18.09**

*****